सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 57 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 31 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िये और विपत्ति को अवसर में बदलिए।

-धीरूभाई अंबानी

केजरीवाल तुम संघर्ष करो, हम... 8

कई मंत्रियों को मिला पिछले... 3

रोजगार देने में सरकार नाकाम... 7

महंगाई पर कांग्रेस का हल्ला बोल

राहुल-प्रियंका समेत सड़क पर उतरे दिग्गज नेता

» दिल्ली से हिमाचल प्रदेश तक प्रदर्शन, चुनाव खत्म, लूट चालू के लगे नारे

» तेल कीमतों पर नियंत्रण लगाने की उठायी मांग केंद्र सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महंगाई को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी समेत दिग्गज नेताओं ने आज दिल्ली से हिमाचल प्रदेश तक प्रदर्शन किया। इस दौरान नेता चुनाव खत्म, लूट चालू के नारे लगाते नजर आए।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के कई सांसदों ने दिल्ली के विजय चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें राहुल गांधी भी शामिल हुए। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तेल कीमतों में वृद्धि के विरोध में हिमाचल प्रदेश के शिमला में प्रदर्शन किया। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई के कोयम्बेडु में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 10 दिन में 9 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए। इसका असर मध्यम वर्ग और गरीब लोगों पर पड़ रहा है। हमारी मांग है कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम को बढ़ाना बंद करे। पूरे देश में हमारा प्रदर्शन चलेगा और काफी दिनों तक चलेगा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तब हर चीज के दाम बढ़ते हैं। जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम सबसे कम थे तब भी यह सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रही थी। 101 रुपये का तेल भराने में 52 रुपये सरकार के पास एक्साइज टैक्स के रूप में जा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हर दिन पेट्रोल-डीजल और अन्य चीजों के दाम अनावश्यक रूप से बढ़ रहे हैं। कांग्रेस की मांग है कि यूपीए सरकार के दौरान जो कीमतें थी वह की जाएं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार आम लोगों की जेबों पर डाका डाल रही है। हम उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। 10 दिनों में 9 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर मोदी सरकार ने इतिहास बना दिया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित करे सरकार: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने भी तेल के बढ़ते दामों पर सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट किया, देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब तक उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में डीजल व पेट्रोल आदि के कई बार दाम बढ़ चुके हैं, जिसकी सीधी मार गरीब एवं मध्यम वर्गों पर पड़ रही है। केन्द्र सरकार इसे कम करने के लिए उचित कदम जरूर उठाये।

केंद्रीय मंत्री नकवी ने किया कटाक्ष

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि इन लोगों को इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है, वह अपनी मम्मी के घर से मनमोहन सिंह के घर तक पदयात्रा करें तब उनको समझ आएगा कि महंगाई क्यों बढ़ी थी। आज महंगाई सप्लाई चेन और युद्ध की वजह से बढ़ी है और इसकी वजह से यूके में 20 फीसदी से ज्यादा महंगाई बढ़ी है।

10 दिन में 9वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

सरकारी तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी की। दस दिन में नौवीं बार पेट्रोल के दाम में इजाफा किया गया। अब तक पेट्रोल के दाम 6.39 रुपये और डीजल के रेट 6.41 रुपये प्रति लीटर बढ़े हैं। आज भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों 80-80 पैसे की वृद्धि हुई है। इससे दिल्ली में पेट्रोल की नई कीमत 101.81 रुपये और डीजल की कीमत 93.07 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल के दाम 101.66 रुपये और डीजल के दाम 93.22 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गौरतलब है कि हर शहर में पेट्रोल के रेट अलग-अलग होने की वजह राज्य सरकारों द्वारा अलग-अलग रेट से टैक्स वसूलना है।

सिब्बल, चिदंबरम समेत 72 सांसद राज्य सभा से रिटायर, पीएम बोले, खलेगी कमी

» कुछ सांसदों का कार्यकाल खत्म होगा अप्रैल में, उपराष्ट्रपति देंगे भोज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा से रिटायर हो रहे 72 सदस्यों को आज विदाई दी गई। रिटायर होने वाले सदस्यों में कपिल सिब्बल, सुब्रमण्यम स्वामी, संजय राउत, पी. चिदंबरम, पीयूष गोयल समेत कई नेता शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य सभा में कहा कि हम चाहते हैं कि ये सदस्य फिर से सदन में आएं। हमने इस सदन में लंबा समय बिताया। आपका योगदान अमूल्य है और इस सदन में मिले अनुभवों को चारों ओर ले जाना चाहिए। अनुभव से जो कुछ भी प्राप्त होता है उसमें समस्याओं का समाधान निकालने के लिए सरल उपाय होते हैं। आप सभी अनुभवी लोगों की कमी खलेगी।

उन्होंने कहा कि अब आप खुले मन से एक बड़े मंच पर जाकर आजादी के अमृत महोत्सव के पर्व को माध्यम बनाकर लोगों को प्रेरित करने में योगदान कर सकते हैं। रिटायर होने वाले सदस्यों में पीयूष गोयल, मुख्तार अब्बास नकवी, पी. चिदंबरम, अंबिका सोनी, कपिल सिब्बल, सतीश चंद्र मिश्रा, संजय राउत, प्रफुल्ल पटेल और केजे अल्फोंस भी शामिल हैं। कुछ सांसद अप्रैल में रिटायर हो रहे हैं। इनमें आनंद शर्मा, एके एंटनी, सुब्रमण्यम स्वामी, एमसी मैरिकॉम और स्वपन दास गुप्ता शामिल हैं। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू आज राज्य सभा के रिटायर हो रहे सांसदों को अपने आवास पर भोज देंगे।

अब जमानत मिलते ही जेल से बाहर आएगा कैदी

» चीफ जस्टिस ने लॉन्च किया फास्टर साफ्टवेयर

» 73 नोडल अधिकारियों को किया गया नामित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया तेज करने के लिए अदालत ने बड़ा कदम उठाया है। अब जमानत मिलते ही कैदी को तत्काल रिहा किया जा सकेगा। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने आज फास्ट एंड सिक्योर्ड ट्रांसमिशन ऑफ इलेक्ट्रानिक रिकार्ड्स (फास्टर) साफ्टवेयर लॉन्च किया है। चीफ जस्टिस ने इसके लिए जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस जे खानविलकर और जस्टिस गुप्ता का धन्यवाद किया।

अभी कैदियों को जमानत मिलने के बाद आदेश की कापी जेल प्रशासन तक पहुंचने में काफी समय लग जाता है, जिस वजह से कैदियों की रिहाई में दो-तीन दिन की देरी हो जाती है। फास्टर के जरिए आदेश की कापी को जल्दी और सुरक्षित तरीके से इलेक्ट्रानिक मोड में भेजा जाएगा जिससे कैदियों की रिहाई में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। फास्टर सिस्टम लॉन्च करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि जुलाई मे अखबार में एक खबर पढ़ी थी कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी कैदी तीन दिन बाद भी जेल से नहीं छूट सका था क्योंकि कोर्ट की कापी जेल तक नहीं पहुंची थी। तब इस सिस्टम को लॉन्च करने के बारे में सोचा गया। फास्टर के लिए 73 नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। इन अधिकारियों को विशिष्ट न्यायिक संचार नेटवर्क से जोड़ा गया है।

नकलविहीन परीक्षा के लिए यूपी सरकार प्रतिबद्ध : दुर्गा शंकर

मुख्य सचिव बोले, अफवाह फैलाने वालों पर रखें विशेष नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने वर्ष 2022 की माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा के सम्बन्ध में वीसी के माध्यम से मंडलायुक्तों, पुलिस आयुक्तों, जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा नकल विहीन परीक्षा के लिए यूपी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पेपर लीक मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषियों पर एनएसए के तहत कार्रवाही की जाये।

उन्होंने कहा कि जिस कमरे में प्रश्न पत्र रखे गये हैं, उसके बाहर एक लाग बुक मेंटेन की जाये, जिसमें हर आने जाने वाले व्यक्ति का ब्यौरा दर्ज किया जाये। इसके अतिरिक्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का ब्यौरा भी परीक्षा केन्द्रों पर रखा जाये। उन्होंने कहा कि जिन 24 जनपदों में इण्टरमीडिएट की अंग्रेजी प्रश्न पत्र की परीक्षा को निरस्त किया गया, उन जनपदों के प्रत्येक परीक्षा केन्द्र से उक्त प्रश्न पत्र के प्रत्येक बण्डल को चेक किया जाये। उन्होंने पुलिस महानिदेशक से कहा कि सोशल मीडिया की पड़ताल कर अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचकर केस को यथाशीघ्र निस्तारित किया जाये। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अफवाह फैलाते हैं, उनपर विशेष नजर रखें। अगर किसी जनपद का जिला विद्यालय निरीक्षक लापरवाही करता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति अवश्य सुनिश्चित करायें। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने कहा कि परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व प्रश्न पत्र खुलते समय डबल लॉक वाले स्ट्रॉग रूम में स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापक अपना मोबाइल साथ में न ले जाये। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने सभी जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों से अपेक्षा की कि कम से कम 20 प्रतिशत परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण अवश्य कर लें।

पेपर लीक मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

शिवपाल के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें तेज

सीएम योगी से मुलाकात के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म, अभी नहीं खोले पत्ते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कल रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद से सियासी गलियारे में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। हालांकि शिवपाल सिंह यादव के खेमे ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के रवैये से आहत सपा विधायक व प्रसपा के मुखिया शिवपाल यादव भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। शिवपाल, अखिलेश की उपेक्षा से नाराज चल रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की बुलाई गई सहयोगी दलों की बैठक में शामिल न होकर पिछले दिनों दिल्ली गए प्रसपा के मुखिया शिवपाल यादव की भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की चर्चाओं के बीच वह लखनऊ लौटे। यहां उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात की।

चर्चा यह भी है कि भाजपा उन्हें राज्यसभा भेज सकती है। इससे पहले शिवपाल यादव ने विधायक पद की शपथ ली। शिवपाल यादव यूपी के जसवंतनगर सीट से विधायक हैं। बताया जा रहा है इस मुलाकात के तुरंत बाद सीएम योगी ने संगठन के बड़े नेताओं को चर्चा के लिए बुलाया। बताया यह भी जा रहा है कि उन्हें भाजपा राज्यसभा भी भेज सकती है। भाजपा में जाने के कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं क्योंकि शारदा प्रताप शुक्ला, शिव बेरिया सहित उनके कई करीबी नेता पहले ही भगवा खेमे में जा चुके हैं। शिवपाल खेमे के डा. अशोक बाजपेयी भी भाजपा में पहले से हैं। शिवपाल ने विधायक पद की शपथ लेने के बाद मीडिया से बस इतना कहा कि समय आने पर सब बताऊंगा इंतजार कीजिए। वहीं भाजपा शिवपाल को अखिलेश यादव के इस्तीफा देने से रिक्त हुई आजमगढ़ संसदीय सीट के उपचुनाव में भी उतार सकती है। अगर ऐसा होता है तो शिवपाल अपनी जसवंतनगर विधानसभा सीट से बेटे आदित्य यादव को उपचुनाव में भाजपा के टिकट से उतार सकते हैं। शिवपाल यादव भाजपा के साथ मिलकर भतीजे अखिलेश यादव को झटका दे सकते हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों दिल्ली गए शिवपाल की भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात भी हो चुकी है। जल्द ही और नेताओं से भी मुलाकात के उनके कार्यक्रम हैं। चर्चा यह भी है कि भाजपा उन्हें राज्यसभा भेज सकती है।

अधूरी परियोजनाएं तेजी से पूरी हो : स्वतंत्र देव

100 दिन के रोडमैप को प्राथमिकता से लागू किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सिंचाई विभाग के सभागार में विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि 100 दिन के लिए रोडमैप तैयार करके सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर इसे पूरा किया जाए। विभाग की अधूरी परियोजनाओं को अभियान चलाकर तेजी से पूरा किया जाए।

जलशक्ति मंत्री ने सरकार की प्राथमिकता और नई कार्ययोजना के तहत विभागीय काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रबंधन से संबंधित टेंडर की औपचारिकताएं निर्धारित अवधि में पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा पार कर हमें इन लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इस दौरान प्रमुख सचिव जलशक्ति अनिल गर्ग ने कहा कि विभागीय परियोजनाओं को मानकों के अनुरूप पूरा किया जाएगा। उधर प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि गेहूं खरीद के लिए पर्याप्त क्रय केन्द्रों की व्यवस्था की जाए। अधिकारियों के साथ बैठक में मंत्री ने कहा कि क्रय केन्द्रों को समानुपातिक ढंग से खोला जाए। यह देखें कि किसानों को गेहूं बेचने के लिए ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े।

पूर्व विधायक बृजेश प्रजापति की प्रॉपर्टी पर चलेगा बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी 2.0 सरकार के शपथ लेते ही अलग-अलग जिलों का प्रशासन भी बुलडोजर मोड में आना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में बांदा विकास प्राधिकरण ने तिंदवारी से पूर्व विधायक बृजेश प्रजापति पर अपना शिकंजा कस दिया है।

बृजेश चुनाव से ऐन वक्त पहले स्वामी प्रसाद मौर्या के साथ बीजेपी छोड़ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे, जिन्हें पार्टी ने तिंदवारी से अपना प्रत्याशी बनाया था पर वह हार गए थे। चुनाव में बीजेपी के खिलाफ जाना बृजेश प्रजापति को महंगा पड़ गया और उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस में चार मंजिला मकान और कार्यालय में हुए अवैध निर्माण का ब्यौरा देते हुए सात अप्रैल को पेश होने को कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि अगर प्रजापति सात अप्रैल तक ब्यौरा देने में असफल होते हैं तो यह इमारतें ढहा दी जाएंगी।

मंत्रियों को देना होगा कैबिनेट के सामने प्रेजेंटेशन

अब अफसरों के सहारे नहीं चलेगा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) का प्रधानमंत्री मोदी का सूत्र पहले ही अंगीकार कर चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे अपने दूसरे कार्यकाल की नई सरकार के लिए फार्मूला बनाते नजर आ रहे हैं। कामकाज में मंत्रियों की न सिर्फ सक्रियता रहे, बल्कि वह विभाग के प्रदर्शन के प्रति जवाबदेही भी बनें, इसके स्पष्ट संकेत दे दिए गए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि कैबिनेट के सामने प्रस्तुतीकरण मंत्रियों को ही करना होगा, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव सिर्फ सहयोग के लिए उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने लोकभवन में विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण की जवाबदेही भी तय की जाए। अफसर और मंत्रियों, दोनों के लिए निर्देश दिए

कि कैबिनेट के समक्ष विभागीय प्रस्तुतियां संबंधित मंत्री द्वारा ही की जाएंगी। दरअसल कई मंत्री अब तक पूरी तरह अधिकारियों पर आश्रित रहे हैं। कैबिनेट में चर्चा के लिए कोई प्रस्ताव जाने पर मंत्री उसे नहीं समझा पाते थे, तब अधिकारी सब समझाते थे। अब जिस तरह से नए मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, उससे इशारा मिल ही चुका है कि सरकार अब मंत्रियों के काम का आकलन भी करना चाहती है। जब एक-एक प्रस्ताव से वह सीधे जुड़े होंगे, तब उनकी जवाबदेही बनेगी और अप्रत्यक्ष रूप से नौकरशाही पर भी कुछ नियंत्रण रहेगा। इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ कार्यालयों का औचक निरीक्षण करें। नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत में सरकार स्कूल चलो अभियान भी बड़े स्तर पर चलाएगी।

कार्यालयों का निरीक्षण करेंगे प्रमुख सचिव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को पत्र जारी कर दिया। इसमें कहा गया कि अपने-अपने अधीनस्थ सभी विभागाध्यक्ष कार्यालयों का निरीक्षण करें। निरीक्षण में अधिकारियों-कर्मचारियों की समय से उपस्थिति, साफ-सफाई सहित यह अवश्य देखें कि पत्रावलियों का समय से निष्पादन हो रहा है या नहीं। निर्देश दिया है कि दोषी पाए गए अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

कई मंत्रियों को मिला पिछले कार्यकाल वाला ही विभाग, अब बंगले को लेकर टेंशन

» पिछले कार्यकाल के वहीं विभाग मिलने से मंत्री खुश

» विधायकों और मंत्रियों को अच्छे दफ्तर-बंगले की है दरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो चुका है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गृह, सूचना समेत 34 विभागों को अपने पास रखा है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को इस बार ग्राम्य विकास विभाग दिया गया है। दूसरे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को स्वास्थ्य विभाग मिला है। जितिन प्रसाद को इस बार केशव प्रसाद मौर्य वाला लोक निर्माण विभाग दिया गया है। उपयोगिता देख-देखकर जिस तरह से योगी मंत्रिपरिषद का गठन किया गया, ठीक उसी तरह कई मंत्रियों को विभाग भी उनके अनुभव और उपयोगिता को देखते हुए सौंपे गए हैं।

इस बार सबसे खास बात यह है कि कई ऐसे भी मंत्री हैं जिन्हें पिछले कार्यकाल वाले विभाग फिर से दिए गए हैं। पिछले कार्यकाल के वहीं विभाग मिलने से मंत्री खुश है। मगर चिंता की लकीरें माथे पर इस बात की है कि स्टॉफ अभी वहीं नहीं मिला है। अब स्टॉफ बदले जाने की चर्चा है। ऐसे में मंत्रियों व विधायकों को फिर से अधिकारियों व अफसरों संग तालमेल बिठाना होगा। साथ ही बंगले को लेकर भी टेंशन में हैं। ज्यादातर मंत्री बढ़िया बंगले मिलने की आस में है।

पिछले कार्यकाल में ये विभाग थे इनके पास

- सुरेश कुमार खन्ना : वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग बरकरार रहे। सिर्फ चिकित्सा शिक्षा विभाग बदला।
- सूर्य प्रताप शाही : कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग फिर मिले।
- भूपेंद्र सिंह चौधरी : पंचायती राज विभाग दोबारा दिया गया है।
- रवींद्र जायसवाल : स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग ही बरकरार।
- कपिल देव अग्रवाल : व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग का फिर से जिम्मा।
- गुलाब देवी : पिछली सरकार में राज्यमंत्री के रूप में माध्यमिक शिक्षा संभाला और अब राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में वही विभाग मिला है।

कालिदास मार्ग पर वरिष्ठ मंत्रियों की नजर

मुख्यमंत्री का सरकारी आवास कालिदास मार्ग पर बंगला नंबर-5 है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास छह नंबर बंगला है। मतलब ये वरिष्ठ मंत्रियों को दिए जाते हैं। अब यहां स्वामी प्रसाद मौर्य वाला 14 नंबर बंगला खाली हो चुका है। पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे श्रीकांत शर्मा, सुरेश राणा, रामनरेश अग्निहोत्री, कमल रानी वरुण के बंगले भी खाली हो रहे हैं या थोड़े दिनों में खाली हो जाएंगे। विधान सभा अध्यक्ष बनने के बाद सतीश महाना को माल एवेन्यू पर पांच नंबर आवास मिलना है, इसलिए उनका भी कालिदास मार्ग वाला आवास खाली हो जाएगा। नई सरकार के वरिष्ठ मंत्री इन्हीं में से कोई बंगला चाहते हैं। कुछ की नजर पूर्व मुख्यमंत्रियों के खाली आवासों पर है। सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को कालिदास मार्ग पर आवास मिलना लगभग तय है। अन्य वरिष्ठ मंत्रियों का भी नया पता इन्हीं में से कोई हो सकता है। वहीं विधान भवन में बृजेश पाठक को कार्यालय तो निवर्तमान उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा वाला ही दिया गया है।

अब विधायकों और मंत्रियों को अच्छे दफ्तर-बंगले की है दरकार

इच्छाओं का भला अंत कहां होता है। कुछ माह तक जिनकी एकमात्र हसरत विधान सभा चुनाव का टिकट पाने की थी। टिकट मिला और जीत गए तो मंत्री की कुर्सी नजर आने लगी। कुछ की किस्मत चमकी और वह इच्छा भी पूरी हो गई। मगर, यह देखना हो कि चाहते कितना बेचैन करती हैं तो वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना के कार्यालय या आवास का नजारा चाहे जब देख लें। मंत्री अच्छे दफ्तर, बंगले तो विधायक मनपसंद आवास के लिए कतार लगाए हुए हैं। योगी सरकार दो में मंत्री पद पाने वालों को विभागों का बंटवारा हो चुका है। अधिकांश मंत्रियों ने अपने कार्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया। विभागीय अधिकारियों से औपचारिक परिचयात्मक बैठक भी कर ली। साथ ही मंत्रियों और विधायकों की नई दौड़ शुरू हो गई। दरअसल, कुछ मंत्रियों को कार्यालय और आवास का आवंटन हो चुका है जबकि कुछ रह गए हैं। विधान भवन स्थित संसदीय कार्यमंत्री के कार्यालय में हर प्रकार के आवेदकों का जमघट लगा था। मंत्रियों को कार्यालय व्यवस्था के तहत दिए गए हैं लेकिन कुछ को शिकायत थी कि इंटीरियर ठीक नहीं है। कोई बापू भवन में कार्यालय वाले तल को लेकर बेकरार था।

कानून मंत्री से उप मुख्यमंत्री के पद पर लगाई बड़ी छलांग

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल की मंत्रिपरिषद में पहली सरकार का कामकाज पैमाना बना। कई मंत्रियों को पदावनत करने की जगह उन्हें सीधे बाहर का रास्ता दिखाया गया। वही पिछली सरकार में कानून मंत्री रहे बृजेश पाठक को उप मुख्यमंत्री बनाकर बड़ा उपहार दिया गया है। पिछले निजाम में राज्यमंत्री का जिम्मा संभालने वालों में से कई को पदोन्नत कर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। साथ ही मंत्रिपरिषद में हर स्तर पर नए चेहरों पर विश्वास जताया गया है।

संदीप, गिरीश, धर्मवीर व गुलाब देवी को पदोन्नति

पिछली सरकार में राज्यमंत्री रहे गिरीश चंद्र यादव, धर्मवीर प्रजापति, गुलाब देवी और संदीप सिंह को पदोन्नत करके राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। वहीं, कपिलदेव अग्रवाल, रवींद्र जायसवाल राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बने रहने में सफल रहे। इसके अलावा दिनेश खटीक, बलदेव सिंह ओलख, अजीत पाल व मनोहर लाल मन्नू कोरी इस बार राज्यमंत्री पद पर कायम हैं।

अब विधान परिषद में बहुमत जुटाने में जुटी भाजपा

» एमएलसी चुनाव में जीत का तैयार किया प्लान

» नौ सीटों पर निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं भाजपा प्रत्याशी

» सपा से मिल रही टक्कर लोक सभा चुनाव पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान परिषद चुनाव में भाजपा अपना दम दिखाने की तैयारी में है। स्थानीय निकाय की विधान परिषद की 36 सीटों को फतह करने की लड़ाई को 2024 लोक सभा चुनावों के समीकरणों को सेट करने के लिहाज से भी देखा जा रहा है। यूपी चुनाव में दोबारा सत्ता में आने वाली भाजपा की नजर इस बार विधान परिषद में बहुमत हासिल करने की है।

समाजवादी पार्टी का विधान परिषद में बहुमत है। विधान परिषद में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी की 48 सीटें हैं जबकि भाजपा की 36 सीटें हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के आठ एमएलसी अब भाजपा में जा चुके हैं। वहीं, बसपा के एक एमएलसी भी भाजपा में आए हैं। ऐसे में भाजपा की कोशिश है कि उच्च सदन में भी संख्या बल बढ़ाया जाए जिससे विधान परिषद में भाजपा का बहुमत हो। परिषद के

चुनाव में सपा-भाजपा में सीधी टक्कर है और भाजपा इस चुनाव में भी बढ़त बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं 36 एमएलसी सीटों के लिए हो रहे चुनाव के तहत पहले चरण की 30 सीटों में से नौ सीटों पर भाजपा ने बिना चुनाव लड़े ही कब्जा कर लिया है। बदायूं, हरदोई, बांदा-हमीरपुर सहित कई सीटों पर सपा प्रत्याशियों ने नाम वापस लेकर भाजपा की जीत की राह आसान बना दी। भाजपा ने बदायूं, हरदोई, खीरी, मीरजापुर-सोनभद्र, बांदा-हमीरपुर, अलीगढ़, बुलंदशहर व मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की सीटों पर निर्विरोध कब्जा कर लिया है। मथुरा-एटा-मैनपुरी ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां से दो प्रत्याशी चुने जाते हैं। यहां सपा के उदयवीर सिंह व राकेश यादव का पर्चा जांच में खारिज हो गया था। उदयवीर एक सेट ही नामांकन कर पाए थे, दूसरा सेट जब जमा करने जा रहे थे तब उनके साथ भाजपा समर्थकों ने मारपीट की थी। सपा के प्रत्याशियों में बदायूं से सिनोद शाक्य, हरदोई से रजीउद्दीन, मीरजापुर-सोनभद्र से रमेश यादव व बांदा-हमीरपुर से आनंद कुमार ने अपना नामांकन वापस ले लिया। बुलंदशहर से रालोद-सपा गठबंधन प्रत्याशी सुनीता शर्मा भी अपना नाम वापस लेकर लड़ाई से पहले ही मैदान से बाहर हो गईं।

लखीमपुर खीरी सीट से सपा के अनुराग पटेल के तीनों सेट नामांकन पत्र पहले ही जांच में निरस्त हो गए थे। अलीगढ़ से सपा के जसवंत सिंह का भी नामांकन पत्र जांच में खारिज हो गया था। यही वजह है कि इन सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी चुनाव लड़ने से पहले ही विजयी घोषित हो गए।

इन सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन

सीट	:	विजयी प्रत्याशी
बदायूं	:	वागीश पाठक
हरदोई	:	अशोक अग्रवाल
खीरी	:	अनूप गुप्ता
मीरजापुर	:	सोनभद्र-श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह
बांदा-हमीरपुर	:	जितेन्द्र सिंह सेंगर
अलीगढ़	:	ऋषिपाल सिंह
बुलंदशहर	:	नरेन्द्र भाटी
मथुरा-एटा-मैनपुरी	:	ओम प्रकाश सिंह व आशीष यादव

पांच सीटों पर सीधा मुकाबला

पहले चरण की 30 सीटों में पांच सीटें ऐसी हैं जहां भाजपा व सपा के बीच सीधा मुकाबला है। इनमें मुरादाबाद-बिजनौर, लखनऊ-उन्नाव, बहराइच, गाजीपुर व कानपुर-फतेहपुर निर्वाचन सीट हैं। गाजीपुर में सपा प्रत्याशी भोलानाथ शुक्ला ने नाम वापस लिया तो पार्टी ने यहां से चुनाव लड़ रहे मदन सिंह को समर्थन दे दिया है। वह भाजपा के विशाल सिंह चंचल से मुकाबला करेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

परीक्षा में सेंध पर लगाम कब?

एक बार फिर परीक्षा में नकल माफियाओं ने सेंध लगा दी है। यूपी बोर्ड की 12वीं कक्षा के अंग्रेजी का प्रश्नपत्र परीक्षा से ठीक पहले लीक हो गया। प्रदेश के 24 जिलों में परीक्षा को रद्द कर दिया गया। अब इन जिलों में 13 अप्रैल को यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस मामले में अभी तक बलिया के जिला विद्यालय निरीक्षक समेत 19 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सरकार ने दोषियों के खिलाफ रासुका में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सवाल यह है कि प्रदेश में लगातार परीक्षाओं के पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? तमाम कवायदों के बावजूद परीक्षा की शुचिता को बचाने में सरकारी तंत्र विफल क्यों हो रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने शिक्षा विभाग को पूरी तरह खोखला कर दिया है? आखिर परीक्षा से पहले छात्रों तक पेपर कैसे पहुंच गया? क्या नकल माफिया और सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से यह धंधा चलाया जा रहा है? छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले नकल माफियाओं को पूरी तरह कब खत्म किया जाएगा?

यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के साथ नकल माफिया सक्रिय हो गए हैं। पेपर लीक के पहले सामूहिक नकल और एक छात्र के दूसरे के स्थान पर नकल देने का मामला सामने आया था। अब अंग्रेजी के पेपर लीक मामले ने एक बार फिर सरकारी शिक्षा तंत्र और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। सच यह है कि नकल माफिया का पूरा नेटवर्क पूरे प्रदेश में फैला है। यह छात्रों से मोटी रकम लेकर न केवल नकल कराता है बल्कि परीक्षा के पेपर भी उपलब्ध कराता है। इस नेटवर्क की पैठ परीक्षा केंद्रों से लेकर शिक्षा विभाग तक में है। बिना सरकारी कर्मियों और अधिकारियों की मिलीभगत के पेपर लीक करना संभव नहीं है। इसके पहले पिछले साल 28 नवंबर को यूपीटीईटी की परीक्षा के पेपर लीक किए गए थे और उस समय भी परीक्षा को रद्द किया गया था। इसके कारण 21 लाख परीक्षार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ी थी। 27 आरोपियों के पकड़ने के बाद पुलिस को पता चला था कि इसका नेटवर्क पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तक फैला था। जाहिर है पेपर लीक होने से न केवल सरकार की साख पर दाग लग रहा है बल्कि परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था की पारदर्शिता और शुचिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे छात्रों का भविष्य खराब हो रहा है। सरकार यदि परीक्षा की शुचिता और साख को बचाना चाहती है तो उसे न केवल नकल माफियाओं के खिलाफ सतत अभियान चलाकर उन्हें जड़ से खत्म करना होगा बल्कि संबंधित विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी समाप्त करना होगा।

सवाल यह है कि प्रदेश में लगातार परीक्षाओं के पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? तमाम कवायदों के बावजूद परीक्षा की शुचिता को बचाने में सरकारी तंत्र विफल क्यों हो रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने शिक्षा विभाग को पूरी तरह खोखला कर दिया है? आखिर परीक्षा से पहले छात्रों तक पेपर कैसे पहुंच गया? क्या नकल माफिया और सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से यह धंधा चलाया जा रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब हिमाचल में दस्तक देती आप

रमेश पठानिया

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों ने सबको चौंका दिया है, जिस तरह चार राज्यों में फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और पंजाब में भारी बहुमत से आम आदमी पार्टी को सफलता हासिल हुई। आम आदमी पार्टी की नजर अब हिमाचल में होने वाले चुनावों पर है। आम आदमी पार्टी का गठन 2012 में दिल्ली में किया गया था, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के बड़े आंदोलनों के बाद। उस आंदोलन ने युवाओं को जो सच में यह विश्वास रखते थे कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका जा सकता है, बढ़-चढ़कर इन आंदोलनों में भाग लेने को प्रेरित किया।

पार्टी के गठन के 10 साल के अंतराल में, हाल ही हुए चुनावों में दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी अपनी सरकार बना ली। एक ऐसी पार्टी, जिसके पास कोई संगठन नहीं था, लेकिन जिस तरह से उन्होंने युवाओं और शिक्षित वर्ग को संगठित किया, वह तारीफ के योग्य है। आम आदमी पार्टी ने पिछले दस साल में बहुत तीव्रता और समझ-बूझ से काम किया है और उत्तरी भारत में अपनी पहचान बनाई है। दिल्ली के अतिरिक्त पंजाब पर भी अपना प्रभुत्व बना लिया है जबकि पार्टी को उत्तराखंड और गोवा में सफलता नहीं मिली। हिमाचल में सभी चुनावों में दो पार्टियों ने और स्थानीय दलों ने ही चुनाव लड़े हैं। स्थानीय दलों में वे विधायक जिन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया उन्होंने अपना अलग से दल बनाया। वर्ष 1998 में पूर्व कांग्रेस नेता पंडित सुख राम ने 'हिमाचल विकास कांग्रेस' बनाई और भाजपा का सहयोग किया, चुनाव भी जीता। कुल्लू से महेश्वर सिंह ने 2012 में 'हिमाचल लोकहित पार्टी' का गठन किया लेकिन उन्हें चुनाव में सफलता नहीं मिली और 2016 में पार्टी को भंग कर दिया गया और इसके बाद वह फिर से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हिमाचल में चुनाव इतिहास में मुख्यत: दो दलों ने ही चुनाव लड़े हैं। हां, कम्युनिस्ट पार्टी ने काफी कोशिश की लेकिन उन्हें छात्र राजनीति से ज्यादा विधानसभा चुनावों में इक्का-दुक्का सीट ही मिली। हिमाचल में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी प्रमुख हैं। बाहर की कोई दूसरी पार्टी अभी तक हिमाचल में अपने कदम स्थापित करने में सफल नहीं रही है और प्रदेश में जितने भी छोटे दल बने, उनमें से भी किसी को भी सफलता नहीं मिली। आम आदमी पार्टी को पंजाब के चुनावों में उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली है, 117 सीटों में उनके पास 92 सीट हैं। भगवंत मान आये दिन नयी

घोषणाएं कर आम जनता को चौंका रहे हैं जो जनहित में हैं। रूढ़िवादी राजनीति से पंजाब को पहली बार छुटकारा मिला है। पंजाब में बदलाव की नयी बयार है लेकिन आम आदमी पार्टी का यह प्रयोग बाकी राज्यों में सफल नहीं हुआ। आप की नजर अब हिमाचल में होने वाले चुनावों पर है। आम आदमी पार्टी अगर हिमाचल में किसी तरह से अपनी पहचान बनाने में सफल हो जाए तो फिर उन्हें हरियाणा में चुनावों में अपनी पहचान बनाना और भी आसान हो जायेगा। इस तरह दिल्ली के करीब तीनों राज्यों को आम आदमी पार्टी अपनी सरकार दे सकती है।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र जैन को शिमला भेजा था। पार्टी हिमाचल में आने वाले चुनावों को गंभीरता से ले रही है, सदस्यता अभियान और दूसरी रणनीति तैयार की जा रही है। युवा वर्ग को रोजगार और दूसरे प्रलोभन देकर अपनी तरफ किया जाएगा। सोशल मीडिया के इस युग में आप की पहुंच दूरदराज के इलाकों में और भी आसान हो गयी है। आप कभी भी किसी से भी आभासी रूप से जुड़ सकते हैं। पंजाब में परंपरागत राजनीति को उखाड़ फेंकना सबसे जटिल कार्य था लेकिन आम आदमी पार्टी ने यह काम बड़ी निपुणता से किया।

नि:संदेह हिमाचल के चुनाव इस बार बहुत दिलचस्प होने वाले हैं, क्या हिमाचल के लोग 'बाहर' की पार्टी को हिमाचल में आने देंगे। आम आदमी पार्टी क्या हिमाचल में अपनी जगह बना पाएगी, क्योंकि पहाड़ की सोच और समस्याएं बिलकुल अलग होती हैं। जैसे उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी को अपने पैर जमाने में सफलता नहीं मिली, क्या हिमाचल में भी ऐसा होगा। यह तो आने वाला समय ही बताएगा, 10 साल पुरानी इस पार्टी के लिए यह कठिन जरूर है लेकिन असंभव नहीं। भाजपा की जी-तोड़ कोशिश रहेगी कि बाकी राज्यों की तरह हिमाचल में पुन: भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बने और एक नया उदाहरण कायम हो। कांग्रेस पार्टी को इस बार चुनाव में बहुत मेहनत करनी होगी क्योंकि उनके पास राजा वीरभद्र सिंह जैसा नेता नहीं है, न ही उन्हें जनता से कोई सहानुभूति मिलेगी। अंदेशा है कि आम आदमी पार्टी हिमाचल में आने वाले चुनावों में सेंध लगा पाएगी या नहीं।

रूस-यूक्रेन युद्ध व तुर्की की भूमिका

ओमैर अनस

पूरी दुनिया की निगाहें इस सप्ताह तुर्की में होनेवाली रूस-यूक्रेन वार्ता पर है। पहले तुर्की की पहल पर दोनों देशों के विदेश मंत्री भी बैठक कर चुके हैं। इस बातचीत से पहले तुर्की के राष्ट्रपति एरदोआं ने कहा है कि समझौते के छह में से चार बिंदुओं पर समझदारी बन चुकी है। तुर्की और राष्ट्रपति एरदोआं वर्तमान संकट के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। एक महीने से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के जल्दी थमने की कामना सभी को है क्योंकि इसने पूरे विश्व को प्रभावित किया है लेकिन जिन देशों या क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, उनमें पूर्वी यूरोप और तुर्की प्रमुख हैं। यूक्रेन और रूस दोनों से ही तुर्की के मधुर संबंध रहे हैं। रूस से तो तुर्की के ऐतिहासिक संबंध हैं। तुर्की नाटो का सदस्य भी है और यूरोपीय संघ की सदस्यता का एक उम्मीदवार भी है।

यह दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह- जी-20 का भी सदस्य है, जिसमें अधिकतर पश्चिम के देश हैं और उनका वर्चस्व है। यूरोपीय संघ तुर्की का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। इस समूह के साथ तुर्की की व्यापारिक हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। तुर्की द्वारा रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने के फैसले के बाद नाटो द्वारा उसे एफ-35 कार्यक्रम से बाहर कर देने से दोनों खेमों में तनातनी की स्थिति रही है। पश्चिमी देशों ने तुर्की पर कई प्रतिबंध भी लगाये हैं, जिसके कारण उसकी अर्थवयवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। तुर्की तेजी से उभरती हुई एक अर्थव्यवस्था है लेकिन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए उसे आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। यह अपनी गैस की जरूरतों का लगभग 50 प्रतिशत, तेल का 17 प्रतिशत और गैसोलीन का 40 प्रतिशत रूस से आयात करता है। पिछले कई वर्षों से दोनों देश क्षेत्रीय राजनीति में भी एक-दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं। अजरबैजान और अर्मेनिया के बीच युद्ध में दोनों देशों के सहयोग से ही शांति आ पायी थी, लेकिन तुर्की ने क्रीमिया पर रूस के कब्जे को न तो स्वीकार किया है और न ही इसे मान्यता दी है।

यूक्रेनी क्षेत्रों- डोनेस्क और लुहांस्क- पर भी तुर्की का रुख यही है और उसने यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपनी प्रतिबद्धता' व्यक्त की है। यूक्रेन के इन क्षेत्रों को रूस ने यूक्रेन युद्ध से पहले स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी थी। संयुक्त राष्ट्र में भी तुर्की ने रूस की सैनिक कार्रवाई की निंदा के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। काला सागर क्षेत्र में तुर्की के सुरक्षा हित हमेशा रूस से प्रभावित रहे हैं तथा यूक्रेन से मजबूत संबंध भी तुर्की की विदेश और सुरक्षा नीति की प्राथमिकताओं में रहे हैं। पिछले दिनों तुर्की जब यूक्रेन से अपने संबंध बेहतर कर रहा था, तो उसने रूस से यूक्रेन के तनाव को देखते हुए उसे अपने मशहूर ड्रोन हथियार उपलब्ध कराये थे। ये हथियार इस युद्ध में यूक्रेन की काफी मदद कर रहे हैं।

रक्षा सहयोग के अलावा तुर्की यूक्रेन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को भी विस्तार दे रहा था। बीते फरवरी माह में दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने सहमति जतायी थी कि आनेवाले समय में द्विपक्षीय व्यापार में 10 अरब डॉलर की वृद्धि करेंगे। हाल के समय में तुर्की यूरोप से संतुलन के लिए या नाराजगी दिखाने के लिए रूस से नजदीकी जताता रहा था, लेकिन इस युद्ध ने उसके सामने एक दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। आधिकारिक तौर पर तो तुर्की ने नाटो के विस्तार का समर्थन किया है (जिस नाटो के कारण रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया है) और रूस की आलोचना भी की है। इसके साथ ही वह न सिर्फ दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा है, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के रूस के विरुद्ध लगाये गये कई प्रतिबंधों को मानने से भी इनकार कर दिया है। खास कर उसने अपना वायु क्षेत्र रूस के लिए खुला रखा है। इस युद्ध के परिणाम तुर्की की सुरक्षा नीति को भी प्रभावित करेंगे अगर रूस इस युद्ध में परिणाम अपने पक्ष में करने में कामयाब हो जाता है, तो रूस काला सागर में तुर्की पर दबाव बना सकता है। साथ ही, रूस लीबिया और सीरिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जिससे तुर्की के रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंचेगा। आस-पास के कई छोटे देश भी रूस की यूक्रेन नीति से खौफ में हैं और वे किसी ऐसे विकल्प की तलाश में हैं, जिसमें रूस की दादागिरी से बचाव तो हो ही, लेकिन पश्चिम के ब्लैकमेल में भी न फंसा जाये। तुर्की इस मामले में न सिर्फ छोटे पड़ोसी देशों की मदद कर सकता है, बल्कि एक क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन की बुनियाद भी रख सकता है।

इस युद्ध ने जहां तुर्की के सामने कई चुनौतियां पेश की हैं, तो वहीं इसने कई अवसर भी पैदा किये हैं। तुर्की कामयाबी के साथ चुनौतियों का सामना भी कर रहा है और अवसरों का फायदा भी उठा रहा है। आक्रामक रूसी नीति और व्यवहार ने पश्चिमी देशों और अमेरिका के सामने दीर्घकालिक सुरक्षा एवं भू-राजनीतिक चुनौतियां पैदा कर दी हैं, जिनके लिये पश्चिम को तुर्की का साथ चाहिए इसीलिए अब पश्चिम तुर्की से अपने संबंधों पर दोबारा विचार कर रहा है। यूक्रेन को लेकर तुर्की की कोशिशों को अमेरिका भी समर्थन दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस संबंध में राष्ट्रपति एरदोआं से बात की है और तुर्की के शांति प्रयासों का स्वागत किया है। तुर्की का प्रयास है कि यह युद्ध जल्द समाप्त हो और दोनों पक्ष किसी ऐसे समझौते पर पहुंचें, जिससे क्षेत्र में दीर्घकालीन शांति स्थापित हो सके।

चैत्र नवरात्रि

घोड़े पर सवार होकर आएंगी मां भवानी

मां भगवती के रूप में शक्ति उपासना का पावन पर्व शुरू होने वाला है। बाजार से लेकर मंदिरों तक में रौनक छाई है। दो अप्रैल से शुरू हो रहे नवरात्र में मां के नौ रूपों का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। शक्ति की उपासना चैत्र मास के प्रतिपदा से नवमी तक की जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्र की शुरुआत दो अप्रैल से है और नवमी 10 अप्रैल को होगी। वहीं नवरात्र व्रत का पारण 11 अप्रैल को किया जाएगा। शनिवार के दिन चैत्र नवरात्र का आरंभ होने से मां दुर्गा देवी का आगमन घोड़े पर हो रहा है। घोड़े पर मां दुर्गा सवार होकर आती हैं तो युद्ध के हालात बनते हैं। इस बार चैत्र नवरात्र पूरे नौ दिनों की होगी। इस दिन चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि रहेगी। चंद्रमा मीन राशि में रहेगा रेवती नक्षत्र और व इंद्र योग बन रहा है। इसी दिन नवसंवत्सर विक्रम संवत 2079 से नल नाम का संवत्सर शुरू होगा। इसी दिन घटस्थापना की जाएगी। नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा जीवन में सुख समृद्धि और शांति लाती है। नवरात्र में घट स्थापना, जौ बोने, दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन व कन्या पूजन करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, चैत्र की प्रतिपदा एक अप्रैल को सुबह 11:53 से शुरू होकर दो अप्रैल को सुबह 11:58 पर समाप्त हो रही है। दुर्गा पूजन के लिए इस वर्ष घट स्थापना मुहूर्त शनिवार दो अप्रैल को सुबह 5:56 से 8:31 में एवं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:45 से 12:35 करना श्रेष्ठ है।

इन राशियों को मिलेगा लाभ

चैत्र नवरात्रि में शनि और मंगल ग्रह का मकर राशि में गोचर होने जा रहा है। इन दोनों ग्रहों को एक-दूसरे का शत्रु माना जाता है। जहां एक ओर ग्रहों का यह गोचर कुछ राशियों के लिए अशुभ साबित होगा वहीं, मेष और कुंभ राशि के लोगों के लिए यह गोचर काफी शुभ साबित होगा। जो लोग इस दौरान मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे, उन्हें राशियों के इस गोचर का पूरा लाभ मिलेगा।

मां के नौ रूपों की आराधना

प्रथम नवरात्र में मां शैलपुत्री, द्वितीय नवरात्र में मां ब्रह्मचारिणी, तृतीय नवरात्र में मां चन्द्रघण्टा, चतुर्थ नवरात्र में कुष्माण्डा, पंचम नवरात्र में मां स्कन्दमाता, षष्ठ नवरात्र में मां कात्यायनी, सप्तम नवरात्र में मां कालरात्री, अष्टम में मां महागौरी, नवम् में मां सिद्धिदात्री के पूजन का विधान है। दुर्गा देवी के तीन रूप सरस्वती , लक्ष्मी व काली क्रमशः सत, रज और तम गुणों के प्रतीक हैं।

02 अप्रैल से इस वर्ष चैत्र नवरात्र की हो रही है शुरुआत

10 अप्रैल को होगी नवमी

11 अप्रैल को किया जाएगा नवरात्र व्रत का पारण

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

- चैत्र घट स्थापना शनिवार, अप्रैल 2, 2022 को
- घटस्थापना मुहूर्त-सुबह 6 बजकर 10 मिनट से 8 बजकर 31 मिनट तक।
- अवधि-02 घण्टे 21 मिनट्स
- घटस्थापना अभिजित मुहूर्त - 12 बजे से लेकर 12 बजकर 50 मिनट तक (घटस्थापना मुहूर्त प्रतिपदा तिथि पर है.)
- प्रतिपदा तिथि प्रारम्भ- अप्रैल 01, 2022 को 11 बजकर 53 मिनट से शुरू
- प्रतिपदा तिथि समाप्त - अप्रैल 02, 2022 को 11 बजकर 58 मिनट तक

ग्रहों की स्थिति में बड़ा परिवर्तन

ज्योतिषी श्रीपति त्रिपाठी के मुताबिक, नवरात्रि के साथ ही ग्रहों में बहुत बड़ा परिवर्तन होने वाला है। ग्रहों के इस परिवर्तन का लोगों के जीवन पर भी गहरा प्रभाव देखने को मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल ग्रहों की स्थिति में बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है।

हंसना मना है

किचन टिप्स: लड्डू बनाते समय उन पर काजू लगा दें और फिर निकाल दें... खाने वालों को लगेगा कि शायद काजू गिर गया होगा।

टीचर स्टूडेंट से: ये बताओ कि नदी में नींबू का पेड़ लगा है तो उसे कैसे तोड़ेंगे? स्टूडेंट: चिड़िया बनकर.. टीचर: तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा? स्टूडेंट: जो नदी में नींबू का पेड़ लगाएगा।

लड़का: मुझसे प्यार करोगी, लड़की- शक्ल देखी है अपनी, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं। लड़की: कमबख्त मर जाएगी पर किसी के काम नहीं आएगी।

यमराज: हे प्राणी, तुम कहां जाना चाहते हो? स्वर्ग या नर्क आदमी: हे प्रभु, पृथ्वी से मेरा मोबाइल चार्जर मंगवा दो, मैं कहीं भी रह लूंगा।

मरीज: मुझे अपनी आंखों के सामने धब्बे से दिखाई देते हैं। डॉक्टर: क्या नए चश्मे से कोई फायदा नहीं हुआ? मरीज: हां हुआ है न, अब वो धब्बे ज्यादा साफ दिखाई देते हैं। इस हियरिंग एड की कीमत देख के शायद आप चौंक जाएं।

एक अजनबी लड़की आधी रात में वकील को फोनकर बोली... लड़की: आप मेरे फ्रेंड बनेंगे वकील: हां क्यों नहीं, आपका नाम क्या है लड़की: धारा वकील: कौन सी धारा 144 या 145 लड़की ने तुरंत फोन काट दिया...

कहानी — घर का भेद

एक नगर में देवशक्ति नाम का राजा रहता था। उसके पुत्र के पेट में एक सांप चला गया था। उस सांप ने वहीं अपना बिल बना लिया था। पेट में बैठे सांप के कारण उसके शरीर का प्रति-दिन क्षय होता जा रहा था। बहुत उपचार करने के बाद भी जब स्वास्थ्य में कोई सुधार न हुआ तो अत्यन्त निराश होकर राजपुत्र अपने राज्य से बहुत दूर दूसरे प्रदेश में चला गया। और वहाँ सामान्य भिखारी की तरह मन्दिर में रहने लगा। उस प्रदेश के राजा बलि की दो नौजवान लड़कियां थीं। वह दोनों प्रति-दिन सुबह अपने पिता को प्रणाम करने आती थीं। उनमें से एक राजा को नमस्कार करती हुई कहती थी महाराज! जय हो। आप की कृपा से ही संसार के सब सुख हैं। दूसरी कहती थी महाराज! ईश्वर आप के कर्मों का फल दे। दूसरी के वचन को सुनकर महाराज क्रोधित हो जाता था एक दिन इसी क्रोधावेश में उसने मंत्रि को बुलाकर आज्ञा दी, मंत्रि! इस कटु बोलने वाली लड़की को किसी गरीब परदेसी के हाथों में दे दो, जिससे यह अपने कर्मों का फल स्वयं चखे । मन्त्रियों ने राजाज्ञा से उस लड़की का विवाह मन्दिर में सामान्य भिखारी की तरह ठहरे परदेसी राजपुत्र के साथ कर दिया। राजकुमारी ने उसे ही अपना पति मानकर सेवा की। दोनों ने उस देश को छोड़ दिया । थोड़ी दूर जाने पर वे एक तालाब के किनारे ठहरे। वहां राजपुत्र को छोड़कर उसकी पत्नी पास के गांव से घी-तेल-अन्न आदि सौदा लेने गई। सौदा लेकर जब वह वापस आ रही थी , तब उसने देखा कि उसका पति तालाब से कुछ दूरी पर एक सांप के बिल के पास सो रहा है। उसके मुख से एक फनियल सांप बाहर निकलकर हवा खा रहा था। एक दूसरा सांप भी अपने बिल से निकल कर फन फैलाये वहीं बैठा था। दोनों में बातचीत हो रही थी। बिल वाला सांप पेट वाले साँप से कह रहा था दुष्ट ! तू इतने सर्वांग सुन्दर राजकुमार का जीवन क्यों नष्ट कर रहा है? पेट वाला सांप बोला-तू भी तो इस बिल में पड़े स्वर्णकलश को दूषित कर रहा है। बिल वाला सांप बोला तो क्या तू समझता है कि तुझे पेट से निकालने की दवा किसी को भी मालूम नहीं। कोई भी व्यक्ति राजकुमार को उकाली हुई कांजी की राई पिलाकर तुझे मार सकता है। पेट वाला सांप बोला, तुझे भी तो गर्म तेल डालकर कोई भी मार सकता है। इस तरह दोनों ने एक दूसरे का भेद खोल दिया। राजकन्या ने दोनों की बातें सुन ली थीं। उसने उनकी बताई विधियों से ही दोनों का नाश कर दिया। उसका पति भी नीरोग होगया; और बिल में से स्वर्ण-भरा कलश पाकर गरीबी भी दूर हो गई। तब, दोनों अपने देश को चल दिये। राजपुत्र के माता-पिता दोनों ने उनका स्वागत किया।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपके प्रेमी के साथ रिश्तें मधुर होंगे। आज शुरू होने वाली रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें।

वृषभ पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आ सकती है। अपोजिट जेंडर वालों से आकर्षण बढ़ सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है।

मिथुन आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। पार्टनर को खुश करने के लिए उपहार दे सकते हैं।

कर्क आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। आप पार्टनर से सुख मिल सकता है। कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपके करीब आ सकता है। आज पति-पत्नी के बीच तालमेल ठीक रहेगा।

सिंह आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। आपका प्रपोजल स्वीकार किया जा सकता है।

कन्या आज आपकी अपने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। पति-पत्नी के बीच तनाव हो सकता है। अपनी भावनाएं पार्टनर पर ना थोपें। पार्टनर आपको परेशान कर सकती है।

तुला पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है। आज आपके खर्चे बढ़ेंगे।

वृश्चिक पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा। आज सिंगल लोगों को किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है। पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

धनु एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर होने की संभावना है। कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपकी रिलेशनशिप में परेशानी पैदा कर सकता है। पार्टनर से मन मुटाव हो सकता है।

मकर पार्टनर को लेकर मन में नेगेटिव बातें चलेगी। आज के दिन शुरू हुई पार्टनरशिप लंबे समय तक चल सकती है। आज लव लाइफ को लेकर कोई बड़ा फैसला ना लें।

कुम्भ आज पार्टनर के साथ समय नहीं बिता पाएंगे। किसी काम से शहर से बाहर जा सकते है। प्रेमी के साथ बिताये हुए पल याद करेंगे। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है।

मीन आपको सफलता मिल सकती है। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। सोच-समझकर कुछ बोले वरना आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

रणबीर की एनिमल में मंदाना की एंट्री

बॉलीवुड | तड़का

संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बन रही फिल्म एनिमल लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। पहले इस फिल्म में रणबीर कपूर और परिणीति चोपड़ा एक साथ नजर आने वाले थे, लेकिन फिर परिणीति फिल्म से बाहर हो गईं। इसके बाद से ही मेकर्स नई हीरोइन की तलाश कर रहे थे और अब खबरें आ रही हैं कि रश्मिका मंदाना फिल्म में लीड रोल निभाएंगी। ऐसे में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रश्मिका मंदाना को लीड रोल के लिए साइन कर लिया गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और संदीप रेडी का मानना है कि फिल्म के अनुसार रश्मिका के लिए ये रोल एकदम सही रहेगा। मेकर्स रणबीर के साथ किसी नए चेहरे को साइन करना चाहते थे, इसलिए अब रश्मिका को फिल्म का हिस्सा बना लिया गया है। इसके साथ ही मेकर्स का ये भी मानना है कि रश्मिका और रणबीर का केमिस्ट्री शानदार होगी।

रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने पहले परिणीति को इस रेल के लिए अप्रोच किया था, लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से परिणीति फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाईं। अब यह माना जा रहा है कि रश्मिका रणबीर कपूर के साथ फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की शूटिंग इसी साल जून में शुरू होने की उम्मीद है। 'एनिमल' को डायरेक्ट करने वाले संदीप रेड्डी वांगा 'कबीर सिंह', 'अर्जुन रेड्डी' जैसी कई हिट फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

आपको बता दें कि जल्द ही रणबीर कपूर आलिया भट्ट के साथ ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगे, जिसके पहले पार्ट की शूटिंग पूरी हो चुकी हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना के पास इस समय कई बॉलीवुड फिल्में हैं, जिनके लिए वह काम कर रही हैं और आखिरी बार वह पुष्पा फिल्म में नजर आई थीं।

43 की उम्र में दुल्हन बनने जा रही हैं बेबी डॉल कनिका कपूर

बॉलीवुड | मसाला

बेबी डॉल सॉन्ग से इंडस्ट्री में खुद को साबित कर चुकीं बॉलीवुड की जानी मानी सिंगर कनिका कपूर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। इन दिनों वह अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि कनिका जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम एनआरआई-बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड के साथ सात फेरे लेने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, कनिका 20 मई को हमेशा हमेशा के लिए एनआरआई बिजनेसमैन गौतम की हो जाएंगी. इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी शादी के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब कनिका और गौतम हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूजे के हो जाएंगे। बता दें कि ये उनकी दूसरी शादी होगी। इससे पहले कनिका ने राज चंदोक के साथ सात फेरे लिए थे। हालांकि कनिका इस शादी के लिए बिल्कुल तैयार हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो कनिका और गौतम ने 6 महीने पहले ही शादी करने का फैसला ले लिया था, लेकिन किसी कारण दोनों को शादी के डेट को आगे करना पड़ा। हालांकि अभी तक कनिका की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशयल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि दोनों का ही परिवार उनके इस रिश्ते से बहुत खुश है और वह चाहते हैं कि जल्द ही दोनों अपने इस रिश्ते को शादी का नाम भी दे दें। दूसरी ओर इनके फैंस इन्हें शादी के बंधन में बंधता देखने के लिए काफी उत्साहित हैं. बता दें कि कनिका और गौतम एक दूसरे को एक साथ से डेट कर रहे हैं. मालूम हो कि कनिका की पहली शादी तब हुई थी जब वह मजह 18 साल की थीं। उनकी पहली शादी राज चंडोक से 1997 में हुई थी। हालांकि ये रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। कनिका अभी व्यस्त है।

बॉलीवुड | सेलिब्रिटी

आलिया भट्ट बनी बॉलीवुड की सबसे महंगी एक्ट्रेस

साल 2021 की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट आ चुकी है। इस रिपोर्ट में डफ एंड फेल्प्स ने वैल्यू सेलिब्रिटीज की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में टॉप 10 में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और पादुकोण जैसे इंडियन सेलेब्स शामिल हैं। डफ एंड फेल्प्स ने इस लिस्ट को सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन स्टडी 2021 के 7वें वर्जन में 'डिजिटल एक्सेलेरेशन 2.0' टाइटल से जारी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट साल 2021 की सबसे महंगी सेलिब्रिटी हैं। उनकी वैल्यूएशन 68.1 मिलियन आंकी गई है। डफ एंड फेल्प्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट साल 2021 में सबसे महंगी महिला सेलिब्रिटी के रूप में उभरी. 68.1 मिलियन डॉलर की वैल्यूएशन के साथ, आलिया भट्ट चौथे स्थान पर हैं और वह इंडिया एक्ट्रेस की कैटेगरी में टॉप पर हैं. आलिया पिछली लिस्ट की तुलना में दो रैंक ऊपर उठीं हैं। आलिया बॉलीवुड की सबसे बिजी एक्ट्रेस हैं और कई ब्रांड एंडोर्समेंट के चलते वह हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बन गई हैं। साल 2020 सेलेब ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट में छठे स्थान पर थीं, लेकिन अब वह 68.1 मिलियन डॉलर के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। बात करें आलिया के वर्कफंट की, तो आखिरी बार उन्हें गंगूबाई काठियावाड़ी में लीड रोल में देखा गया। 'आरआरआर' में भी अहम किरदार में हैं। वहीं विराट कोहली के बाद रणवीर सिंह टॉप वैल्यूएशन वाले एक्टर बने हैं। उनकी भी फैन फॉलोइंग हैं।

2027 तक खुल जाएगा दुनिया का पहला स्पेस होटल, कर पाएंगे वो काम जो धरती पर मुमकिन नहीं

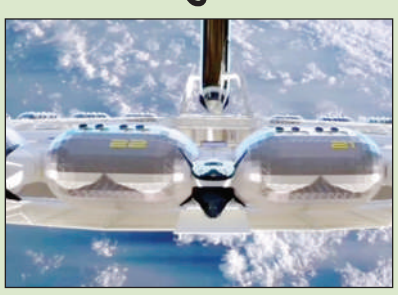

काफी समय से इस बात को लेकर चर्चा चल रही है कि आखिर जब स्पेस (Living In Space) में इंसान रहना शुरू करेगा, तो कैसे रहेगा। एलन मस्क (Elon Musk) लोगों को दूसरे ग्रह पर बसाने के लिए पानी की तरह पैसे बहा रहे हैं। ऐसे में हर किसी के दिमाग में ये उत्सुकता बनी रहती है कि आखिर कैसे इंसान स्पेस में रह पाएगा? भले ही पूरी कॉलोनी स्पेस में बसने में अभी समय है, लेकिन ये बात अब साफ हो गई है कि 2027 में स्पेस में पहला होटल खुल जाएगा। स्पेस के इस होटल का आइडिया आज से तीन साल पहले सामने आया था। हालांकि अगर आपको लगता है कि इसमें अभी पांच साल का समय है और ये दूर की बात है, तो आपको बता दें कि इसकी तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो चुकी हैं। ये होटल क्रूज शिप के आधार पर बनाया जाएगा। गेटवे फॉउंडेशन की खबर के मुताबिक ये होटल धरती के ऊपर तैरता सा दिखाई देगा। इसकी प्लानिंग 2019 में शुरू हुई थी। इस प्रोजेक्ट को वॉन ब्राउन स्टेशन नाम दिया गया है। इस होटल में 24 मॉड्यूल होंगे जो लिफ्ट्स से कनेक्टेड होंगे। ये गोल बड़े से झूले जैसे नजर आएंगे। इसे ऑर्बिटल असेंबली कॉर्पोरेशन द्वारा बनाया जा रहा है। ये कंस्ट्रक्शन कंपनी ग्रेविटी मुक्त स्ट्रक्चर बनाने के लिए जानी जाती है। गेटवे फॉउंडेशन के सीनियर डिजाइन आर्किटेक्ट टिम अलटोर्रे ने एक इंटरव्यू में बताया कि ये स्टेशन घूमेगा और ठीक वैसे जैसे आप पानी के बकेट को स्पिन करते हैं। इस स्पेस स्टेशन में आप कई ऐसी एक्टिविटी कर पाएंगे, जो पृथ्वी पर पॉसिबल नहीं है। इसमें गेम्स और रिक्रिएशन एक्टिविटी शामिल है। चूंकि स्पेस में ग्रेविटी नहीं है, इस वजह से जंपिंग गेम में आप बेहद ऊंचाई तक उछल पाएंगे। कंपनी के फॉर्मर पायलट जॉन ब्लिंकोव ने बताया कि ये समय स्पेस ट्रेवल के लिए बेस्ट है। लोगों के पास पैसे हैं और वो इन अनुभवों के लिए पैसे खर्च करने को तैयार हैं। देखना है कि जब स्पेस होटल खुल जाएगा, तो लोग इसे लेकर कैसा रेस्पोंस देंगे?

अजब-गजब | ये हैं भारत के सबसे अनोखे रेलवे स्टेशन

भारत के इन रेलवे स्टेशनों पर बिना वीजा नहीं जा सकता है कोई

भारत में कई हैरान करने वाली जगहें हैं जिनके बारे में जानने के बाद यकीन करना मुश्किल होता है। भारत में कई अजीबोगरीब रेलवे स्टेशन भी हैं जिनके बारे में जानने के बाद आम इंसान हैरत में पड़ जाता है। दिल्ली-मुबई रेल रूट पर एक ऐसा अनोखा रेलवे स्टेशन है जो दो राज्यों में पड़ता है। यह जानकर आपको थोड़ा अजीब लग रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। यह रेलवे स्टेशन राजस्थान के झालावाड़ जिले में पड़ता है जहां पर आधी ट्रेन एक राज्य में खड़ी होती है, तो आधी दूसरे राज्य में खड़ी होती है।

भवानी मंडी स्टेशन

कोटा संभाग में पड़ने वाला यह स्टेशन राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच बंटा हुआ है। इस अनोखे रेलवे स्टेशन पर दोनों राज्यों की संस्कृति की झलक नजर आती है। यह रेलवे स्टेशन मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा पर स्थित है जो कई मायनों में बेहद खास है। इस स्टेशन की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां पर लोग टिकट लेने के लिए राजस्थान में खड़े होते हैं जबकि टिकट देने वाला क्लर्क मध्य प्रदेश में बैठता है। मध्य प्रदेश के लोगों को हर काम के लिए भवानी मंडी स्टेशन ही आना पड़ता है जिसकी वजह से

दोनों प्रदेश के लोगों में आपसी प्रेम और सौहार्द देखने को मिलता है। राजस्थान की सीमा पर स्थित लोगों के घर के सामने का दरवाजा भवानी मंडी कस्बे में खुलता है, जबकि पीछे का दरवाजा मध्य प्रदेश के भैंसोदा मंडी में खुलता है।

नवापुर स्टेशन

यह स्टेशन भी भवानी मंडी की तरह दो राज्यों में पड़ता है। गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा में यह अनोखा रेलवे स्टेशन स्थित है। इस रेलवे स्टेशन पर मौजूद बेंच दो राज्यों में पड़ती है। इस स्टेशन की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां पर हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी भाषाओं में घोषणा होती है। जब यह स्टेशन बना था उस समय महाराष्ट्र और गुजरात एक ही राज्य थे। संयुक्त मुंबई प्रांत में नवापुर स्टेशन पड़ता था, लेकिन साल 1961 में जब इसका बंटवारा हुआ, तो ये स्टेशन महाराष्ट्र और गुजरात में विभाजित हुआ।

बर्धमान स्टेशन

पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में एक अनोखा रेलवे स्टेशन है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। सबसे बड़ी बात है कि इस रेलवे स्टेशन का कोई नाम ही नहीं है। यह रेलवे स्टेशन बर्धमान टाउन से 35 किमी दूर स्थित है। साल 2008 में बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर इसका निर्माण किया गया था। उस समय इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ रखा गया था, लेकिन रैना गांव के लोगों ने इसका विरोध किया था।

बड़कीचांपी स्टेशन

झारखंड में भी एक रेलने स्टेशन है जिसका कोई नाम नहीं है। राजधानी रांची से टोरी जाने वाली रेल लाइन पर यह स्टेशन स्थित है। साल 2011 में इस स्टेशन से पहली बार ट्रेन चलाई गई थी। तब रेलवे ने इसका नाम बड़कीचांपी रखने का निर्णय लिया था, लेकिन कमले गांव के लोगों के विरोध की वजह से यह नाम नहीं रखा गया। लोगों की मांग थी कि जब हम लोगों ने इसके लिए जमीन दी है, तो इसका नाम कमले रखा जाना चाहिए। इसके बाद से इसे कोई नाम नहीं मिल पाया है।

रोजगार देने में सरकार नाकाम, जानबूझकर नहीं होने दे रही परीक्षा : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड का इंटरमीडिएट का अंग्रेजी का पेपर लीक होने के बाद सपा मुखिया और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। अखिलेश ने प्रदेश सरकार पर जानबूझकर किसी भी परीक्षा को पूर्ण न होने देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने में यह सरकार नाकाम रही है। अब तो कोई परीक्षा भी ठीक से नहीं हो पा रही।

अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, उप्र भाजपा सरकार की दूसरी पारी में भी पेपर लीक करवाने का व्यवसाय बदस्तूर जारी है। युवा कह रहे हैं कि रोजगार देने में नाकाम भाजपा सरकार जानबूझकर किसी परीक्षा को पूर्ण नहीं होने देना चाहती है। भाजपा सरकार अपने इन पेपर माफियाओं पर दिखाने के लिए सही, कागज का ही बुलडोजर चलवा दे। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था में व्यापक स्तर पर फैले भ्रष्टाचार की वजह से जनता बुरी तरह त्रस्त है। महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। उत्तर प्रदेश में नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सपा अन्याय और गैर बराबरी के खिलाफ डॉ. लोहिया और डॉ. आंबेडकर की विचारधारा से प्रेरणा लेकर संघर्षरत है। भाजपा पूंजीपतियों के हितों की संरक्षक पार्टी है। उन्होंने कहा कि जब राज्य में विधान सभा चुनाव होने थे तब डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस के दामों पर नियंत्रण रहा, चुनाव खत्म होते ही इन सबके दाम बढ़ गए है। इससे जनता बुरी तरह त्रस्त है। घरेलू अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है।

» सपा प्रमुख ने पेपर लीक मामले में सरकार पर बोला हमला

» दिखाने के लिए माफियाओं पर कागज का ही बुलडोजर चलवा दे

» चुनाव खत्म होते ही बढ़ने लगे पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम

पेपर लीक केस में डीआईओएस समेत 17 गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड की 12वीं कक्षा के अंग्रेजी पेपर लीक केस में बलिया के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) बृजेश कुमार मिश्र समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ इस मामले की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा 24 मार्च से चल रही हैं। नकल पर अंकुश लगाने के लिए शासन और माध्यमिक शिक्षा विभाग ने बड़े पैमाने पर इंतजाम भी किए लेकिन, परीक्षा शुरू होने के छठे दिन ही इंटर अंग्रेजी का प्रश्नपत्र इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। दस बजे बलिया के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को द्वितीय पाली में होने वाले इंटर अंग्रेजी विषय सीरीज 316 ईडी व 316 ईआई के प्रश्नपत्र मिले। उन्होंने शासन को अवगत कराकर वायरल प्रश्नपत्र जांच के लिए यूपी बोर्ड मुख्यालय पर भेजा। प्रश्नपत्रों के मिलान में वायरल पेपर सही निकले। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने बताया कि इंटर अंग्रेजी के दोनों सीरीज के प्रश्नपत्रों से बलिया सहित 24 जिलों में दो बजे से इम्तिहान होना था। परीक्षा शुरू होने से करीब एक घंटे पहले ही इन जिलों के सभी परीक्षा केंद्रों की इंटर अंग्रेजी की परीक्षा निरस्त कर दी गई। शेष 51 जिलों में विधिवत परीक्षा कराई गई। एसटीएफ को प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं। इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध रासुका तक की कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि बलिया, एटा, बागपत, बदायूं, सीतापुर, कानपुर देहात, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, गोंडा, आजमगढ़, आगरा, वाराणसी, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, शामली, शाहजहांपुर, उन्नाव, जालौन, महोबा, आंबेडकरनगर व गोरखपुर जिले की परीक्षाएं रद्द की गयी थीं।

» यूपी बोर्ड की 12वीं कक्षा का अंग्रेजी प्रश्न पत्र हुआ था लीक

बाराबंकी : डंपर से टकराई तेज रफ्तार कार, चार की मौत

» बाराबंकी के हाथी का पुरवा गांव के पास हुआ हादसा

» प्रतापगढ़ से लखनऊ आ रहे थे कार सवार, परिवार में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर एक तेज रफ्तार कार डंपर में जा घुसी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चौथे ने गंभीर हालत में लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बाराबंकी के लोनीकटरा थाना क्षेत्र में स्थित हाथी का पुरवा गांव के समीप हुआ। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए. सभी कार सवार प्रतापगढ़ जिले के निवासी थे और लखनऊ की तरफ आ रहे थे।

देर रात हाथी का पुरवा गांव के पास एक डंपर मिट्टी लादकर हाईवे पर मुड़ रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार डंपर में जा घुसी। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं घटना की जानकारी होने पर लोनीकटरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से कार सवार सभी लोगों को बाहर निकालकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ में भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टरों ने इरशाद खान, अबूबकर राइन, लुकमान राइन को मृत घोषित कर दिया जबकि चौथे कार सवार इमरान को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। वहीं घटना की जानकारी होते ही प्रतापगढ़ जिले से मृतकों के परिजन मौके पर पहुंचे। युवकों की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

गाजीपुर : सब्जी विक्रेता की हत्या से सनसनी

» खेत में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। जंगीपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नम्बर नौ निवासी सब्जी विक्रेता राहुल कुशवाहा (21) की हत्या कर शव को फोरलेन के किनारे गेहूं के खेत मे फेंक दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक की टीम सभी साक्ष्य को एकत्र कर जांच कर रही है। वहीं राहुल की हत्या कैसे और क्यों की गई है, इसकी जानकारी पुलिस को अब तक नहीं हो सकी है।

राहुल जंगीपुर में सब्जी बेचता है। स्वजन के अनुसार 29 मार्च की रात किसी का काल आया और राहुल बिना किसी को बताए स्नान करके चला गया। रात में घर नहीं लौटा तो स्वजन हैरान परेशान हो गए। अगले दिन काफी खोजबीन की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। आज सुबह पीठिया की बारी (बंगाली बाबा पोखरा) फोर लेन के किनारे गेंहू के खेत में शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना पर राहुल के स्वजन भी पहुंचे। शव के कनपटी के पास जख्म था, वहीं शरीर के अन्य हिस्से में कई चोट के निशान है। यह देख पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने सभी साक्ष्यों को एकत्र किया। स्वजनों ने बताया कि राहुल व्यवहार कुशल था, उसकी किसी से कोई अदावत भी नहीं थी, किसने हत्या कर दी, यह सोचकर सभी परेशान हैं। जंगीपुर एसओ जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव पर काफी गहरे जख्म है। इससे प्रथम दृष्टया लग रहा है कि उसकी हत्या कर शव को फेंका गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, शीघ्र ही इसका राजफाश कर दिया जाएगा।

लखनऊ : डेयरी में लगी आग से मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दमकल की गाड़ियों ने मशक्कत के बाद पाया काबू

लखनऊ। कुर्सी रोड स्थित ज्ञान डेयरी के रिकवरी रूम की चिमनी में आज सुबह आग लग गई। चिमनी से काला धुआं और आग की लपटें निकलती देख स्थानीय लोग घबरा गए और दमकल व प्लांट अधिकारियों से संपर्क किया।

सूचना पर पहुंची हाइड्रोलिक प्लेटफार्म समेत चार दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। एफएसओ इंदिरानगर शेर अली खान ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे कुर्सी रोड स्थित ज्ञान डेयरी की ड्रायर मशीन जो कि गर्म हवा को बाहर निकालता है, उसी से जुड़ी चिमनी में आग लगने की सूचना मिली। चिमनी टीनशेड से ढकी हुई थी। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। दमकलकर्मी व प्लांट कर्मचारी आग बुझाने में जुटे रहे। चिमनी में 40 मीटर ऊंचाई पर आग लगने से काबू करने में कुछ परेशानी हुई। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। प्लांट अधिकारियों ने इस बाबत कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

कोर वोटरों को साधना बसपा के लिए बड़ी चुनौती

दलितों-मुस्लिमों के मुद्दे उठाने बंद कर दिए थे मायावती ने, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में मायावती को करारी हार मिली। सूबे में बसपा का पूरी तरह से सफाया हो गया है। पार्टी को सिर्फ एक सीट मिली है, जो बलिया के रसड़ा विधान सभा से उमाशंकर सिंह ने हासिल की है। बसपा की हार के लिए मायावती ने मुस्लिम समुदाय को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसे में ब्राह्मण सम्मेलन की राजनीति कहां गयी। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह, डॉ. लक्ष्मण यादव, अशोक कुमार, अनिल रॉयल, प्रो. रविकांत, प्रबल प्रताप शाही और संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अरविन्द सिंह ने कहा, बसपा की राजनीति के पहले लीडर कांशीराम थे, खूब मेहनत की और उसका बसपा को भरपूर फायदा मिला। मायावती ने भी बहुत काम किया मगर जो कांशीराम के बैक बोन थे, वे सब धीरे-धीरे कैडर छोड़कर क्यूं गए। आज वोट प्रतिशत घटा है और उसको मैनेज करना बसपा के लिए बड़ी चुनौती है। प्रो.रविकांत ने कहा, बीते पांच साल में इतनी घटनाएं हुईं मुसलमानों के साथ, क्या मायावती ने कभी योगी सरकार को घेरा? ब्राह्मणों के सम्मेलन शुरू किए। उन्होंने कहा दलित और ब्राह्मण साथ आए तो सरकार बना लेंगे तो आज आप मुसलमानों को कठघरे में क्यूं खड़ा कर रहे हैं। यही नहीं मायावती ने दलितों के मुद्दे भी उठाने बंद कर दिए।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अनिल रॉयल ने कहा, मायावती की आदत में है कि जब कभी चुनाव जीतती है तो वे जीतती हैं और हारती है तो मुस्लिमों पर आक्षेप लगाती है। डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा, मुसलमानों का वोट जो मांग रहा है, वह भी पूछेंगे कि आपने उनके लिए किया क्या। सीएए और एनआरसी में जब मुसलमान आंदोलन कर रहे थे थे तो कौन खड़ा हुआ उनके साथ? अशोक कुमार ने कहा, दलितों की अनदेखी की, इससे वह बिछड़ गया, कुछ सपा के साथ तो सबसे ज्यादा भाजपा के साथ चला गया । 2020 में मायावती का वक्तव्य था कि हम हारेंगे तो बीजेपी को सपोर्ट करेंगे, मगर सपा की सरकार नहीं बनने देंगे।

प्रबल प्रताप शाही ने कहा, हमला करना है तो सपा पर नहीं भाजपा पर करना था। भाजपा को समाप्त करने के लिए कोई तैयार नहीं हो रहा। ऐसे में संदेश यही गया कि आपके अंदर बदलाव की चाह नहीं है। कभी नारा दिया गया था कि मिले मुलायम काशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम वह कहां गया। मायावती घर से बयानबाजी कर रही है बस। कमल महेंद्रा भी परिचर्चा में शामिल हुए।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को दिनेश शर्मा वाला बंगला अलॉट

» योगी सरकार के मंत्रियों को सरकारी आवास आवंटित

» अरविंद शर्मा को मिला स्वामी प्रसाद वाला बंगला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों को सरकारी आवास आवंटित कर दिए गए हैं। ज्यादातर पुराने मंत्रियों के सरकारी आवासों में बदलाव नहीं किया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को 3 विक्रमादित्य मार्ग स्थित सरकारी बंगला आवंटित किया गया है। पिछली योगी सरकार में यह बंगला उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा को आवंटित हुआ था।

पिछली सरकार में ब्रजेश पाठक को 9 राजभवन कालोनी में आवंटित बंगला अब महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य का आशियाना होगा। पिछली सरकार में श्रम मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को आवंटित रहा बंगला नंबर 16 कालिदास मार्ग

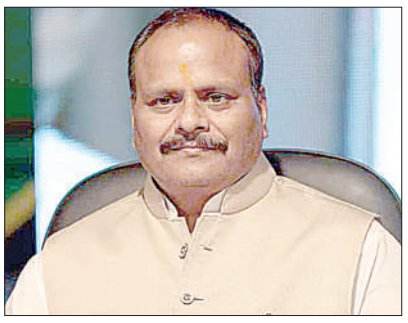

के नए अध्यासी नगर विकास और ऊर्जा मंत्री अरविंद शर्मा होंगे। कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह को 4 एनडीएमआर विक्रमादित्य मार्ग स्थित वह आवास मिला है जो पिछली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे जय प्रताप सिंह को आवंटित था। पिछली सरकार में आयुष मंत्री के तौर पर डॉ. धर्म सिंह सैनी को आवंटित 16 गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और गन्ना मंत्री रहे सुरेश राणा को आवंटित बंगला नंबर 10ए कालिदास मार्ग उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के हवाले किया गया है। मत्स्य विकास मंत्री संजय निषाद को 11 एनडीएमआर विक्रमादित्य मार्ग स्थित वह आवास आवंटित किया गया है, जो पिछली सरकार में सहकारिता मंत्री रहे मुकुट बिहारी वर्मा के पास था। आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल को आवंटित 3 गौतमपल्ली स्थित आवास पिछले निजाम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाती सिंह का आशियाना होता था। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाये गए स्वाति के पति दयाशंकर सिंह को बंगला नंबर 9 कालिदास मार्ग मिला है जो पिछली हुकूमत में आबकारी मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री का आवास था। कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह को 19 गौतमपल्ली स्थित वह बंगला दिया गया है जिसमें एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह रहते थे। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण को 5ए डुप्लेक्स माल एवेन्यू स्थित आवास आवंटित हुआ है।

अगले महीने रामलला के दर्शन करेंगे उप राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» चार घंटे अयोध्या में बिताएंगे वेंकैया नायडू

अयोध्या। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के बाद अब देश के उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू रामलला का दर्शन करने अयोध्या आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर आ रहे उप राष्ट्रपति 14 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेंगे, जहां से अगले दिन 15 अप्रैल को वह स्पेशल ट्रेन से अयोध्या के लिए रवाना होंगे।

रामलला का दर्शन करने के उपरांत वह ट्रेन से ही वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे। इस बीच वह करीब चार घंटे रामनगरी में गुजारेंगे। उनके आगमन की सूचना रेलवे की ओर से जारी कर दी गई है। यह पहला अवसर है, जब उप राष्ट्रपति रामलला का दर्शन करने रामनगरी आ रहे हैं। वह 14 अप्रैल की शाम छह बजे लखनऊ पहुंच जाएंगे। लखनऊ एयरपोर्ट से वह सीधे राजभवन जाएंगे। दूसरे दिन सुबह उप राष्ट्रपति लखनऊ जंक्शन पहुंचेंगे, जहां से स्पेशल ट्रेन से रामनगरी के लिए प्रस्थान करेंगे। उनकी स्पेशल ट्रेन अयोध्या जंक्शन पर ठहरेगी। रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वह सड़क मार्ग से रामजन्मभूमि जाएंगे। दर्शन के उपरांत वह राजकीय अतिथि गृह में विश्राम के उपरांत दोपहर 2:45 बजे पर पुन: वाराणसी की यात्रा के लिए अयोध्या जंक्शन पहुंचेंगे। उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। गत वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द रामलला का दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने रामायण कान्क्लेव का उद्घाटन भी किया था।

फोटो: सुमित कुमार

केजरीवाल तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर हमले को लेकर नाराज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज राजधानी के 1090 चौराहे पर प्रदर्शन किया। आप की महिला विंग की अध्यक्ष नीलम यादव के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए विरोध प्रदर्शन किया। केजरीवाल तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ है का नारा लगाया। इस दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। आप प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है। आरोप लगाया कि बीजेपी के गुंडों ने अरविंद केजरीवाल के घर पर तोड़फोड़ की

कल से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दौड़ेंगी बसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यात्रियों के लिए खुशखबरी है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक अप्रैल से परिवहन निगम की बसों का सफर प्रारंभ हो जाएगा। इससे न केवल दो घंटे का समय बचेगा, बल्कि उनका किराया भी कम लगेगा। पहले चरण में आलमबाग बस टर्मिनल से तीन जिलों के लिए चार जोड़ी बसें चलाई जा रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया हैं। समय सारणी और किराया निर्धारित कर दिया गया है। एसी शताब्दी, एसी जनरथ और पिंक बसें लगाई गई हैं। एक्सप्रेसवे पर फिनिशिंग न होने की वजह से रात्रिकालीन सेवाएं फिलहाल अभी नहीं चलेंगी। काम पूरा होने के बाद बस सेवाओं को और बढ़ा दिया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अभी दिन में ही बसें चलाई जाएंगी। एक्सप्रेसवे के बड़े हिस्सों में सड़क के किनारे रेलिंग नहीं है।

पीएम मोदी कल करेंगे परीक्षा पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट समेत अन्य कक्षाओं की परीक्षाओं को देखते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी पहली अप्रैल को परीक्षा पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव से छात्रों को उबरने के मंत्र देंगे।

वहीं परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित भी करेंगे। इसके लिए स्कूलों की तैयारियां अंतिम चरण पर हैं। कार्यक्रम को लेकर सभी केन्द्रीय विद्यालयों, राजकीय इंटर कालेजों, जवाहर नवोदय विद्यालय व अन्य सभी विद्यालयों द्वारा कार्यक्रम को सभी छात्रों तक पहुंचाने का प्रयास अंतिम चरण पर है। केंद्रीय विद्यालय अलीगंज की प्रिंसिपल संगीता यादव ने बताया कि सारी तैयारियां अंतिम चरण पर हैं।

योगी सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह बोले-

बीजेपी कार्यकर्ता छुट्टा गायों का उठाएंगे गोबर और पिएंगे दूध!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। योगी सरकार में प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बाद मंत्री धर्मपाल सिंह ने शाहजहांपुर में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि छुट्टा गायों की बडी समस्या है।

वह बेसहारा पशुओं की चुनौती को अवसर के रूप में ले रहे है, जिसके तहत चारे की बेहतर व्यवस्था के साथ ही गोशालाओं भी व्यवसायिक बनाया जाएगा। पशुधन मंत्री ने बताया कि चारागाह की जमीनें कब्जा मुक्त कराकर वहां पर चारा

लगवाया जाएगा। ग्राम समाज की जमीनें कब्जा मुक्त कर गोशालाएं बनवाई जाएंगी। वहां का प्रबंधन बेहतर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता ही गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहयोग करेंगे। मंत्री ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता ही गायों का गोबर उठाएंगे और वहीं दूध भी पिएंगे। सिंह ने कहा कि डीएम के माध्यम से जिन गौशालाओं की जमीन और चारागाह पर भू-माफियाओं ने कब्जा कर रखा है उन्हें मुक्त करवाएंगे। हमहर न्याय पंचायत पर गौशाला बनाएंगे, ताकि इस समस्या से निजात मिल सके। धर्मपाल सिंह ने कहा कि हम गौशालाओं को कमर्शियल बनाएंगे, गाय से निकलने वाले दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर से व्यापार होगा, जिससे किसानों को फायदा होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।